भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 590 का उत्तर

भारतीय रेल में संविदात्मक रिक्तियां

590. श्रीमती रचना बनर्जी:
श्री बापी हलदर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय रेल में जोन-वार कुल कितनी रिक्तियां हैं;

(ख) सरंक्षा संबंधी श्रेणी में जोन-वार रिक्तियों की संख्या कितनी है;

(ग) रेल संरक्षा आयोग में कुल कितने पद हैं तथा रिक्त पदों की संख्या कितनी है;

(घ) इन पदों को भरने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) विभिन्न रेल जोनों में वर्तमान में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या उनकी सेवाओं को नियमित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(छ) क्या प्रशासनिक अथवा कानूनी कारणों से भर्ती प्रक्रिया में कोई विलंब हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालन महत्व को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों, यंत्रीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति मुहैया कराई जाती है।

इन रिक्तियों को मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार रेलवे द्वारा भर्ती एजेन्सियों को मांग पत्र भेजकर भरा जाता है।

वर्तमान में भारतीय रेल में 2024 और 2025 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार 120579 रिक्तियों की भर्ती शुरू की गई।

सहायक लोको पायलटों (एएलपी), तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में उप-निरीक्षक और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर(जेई)/डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस)/रसायन एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए), पैरामेडिकल कोटियों, गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक), अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों और लेवल-1 कोटियों जैसे सहायक, ट्रैक मेंटेनर और पॉइंट्समैन के पदों को भरने के लिए जनवरी से दिसम्बर 2024 के दौरान 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं(सीईएन) अधिसूचित की गई हैं।

59678 रिक्तियों के लिए पहली/एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) पूरी की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार दिया गया है-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	18,40,347	156	15
तकनीशियन के पद (14,298 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	26,99,892	139	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	11,01,266	146	15
रे.सु.ब. एस.आई के पद (452 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	15,35,635	143	15
आरपीएफ-कांस्टेबल के पद (4208 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	45,30,288	147	15
पैरामेडिकल कोटियों (1376 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	7,08,321	143	15

गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) (8113 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	58,41,774	141	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक) (3445 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	63,27,473	157	15
अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों हेतु सीबीटी (1,036 रिक्तियां)	4,46,013	139	15

सहायक लोको पायलट, जेई/डीएमएस/सीएमए और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए द्वितीय चरण की सीबीटी भी पूरी की गई है। इनका ब्यौरा इस प्रकार हैं: -

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	2,66,363	112	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,17,339	118	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) (8113 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,21,931	129	15

सहायक लोको पायलट के पद के लिए कंप्यूटर आधारित योग्यता परीक्षण (सीबीएटी) भी पूरा कर लिया गया है। विवरण निम्नानुसार दिया गया है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु सीबीएटी	1,32,044	84	2

प्रथम चरण के 32,438 रिक्तियों हेतु सीबीटी दिनांक 27.11.2025 से 15 भाषाओं में 140 शहरों में शुरू की गई है। कांस्टेबल-आरपीएफ के 4,208 पदों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण (पीईटी) दिनांक 13.11.2025 से शुरू किया गया है।

23,000 से अधिक उम्मीदवारों के लिए पैनल, जिसमें तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरा मेडिकल कोटियों, सब-इंस्पेक्टर (आरपीएफ) और सहायक लोको पायलट के पद शामिल हैं, रेल विभागों को भेजे गए हैं। इनमें से अधिकांश संरक्षा कोटियों में हैं।

इसके अलावा, वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, 28,463 रिक्तियों के लिए निम्नलिखित सात केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएँ भी जारी की गई हैं:

क्र.सं.	केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या	पद का नाम	अधिसूचित की गई रिक्तियों की संख्या	अधिसूचना जारी करने का माह
1	01/2025	सहायक लोको पायलट	9,970	मार्च 2025
2	02/2025	तकनीशियन	6,238	जून 2025
3	03/2025	पैरा मेडिकल	434	जुलाई 2025
4	04/2025	खंड नियंत्रक	368	अगसत 2025
5	05/2025	जूनियर इंजीनियर/डिपो सामग्री अधीक्षक	2,585	अक्टूबर 2025
6	06/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक)	5,810	अक्टूबर 2025
7	07/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक)	3,058	अक्टूबर 2025

रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाएं काफी तकनीकी प्रकृति की होती हैं जिनमें बड़े पैमाने पर कर्मियों और संसाधनों को जुटाने तथा जनशक्ति के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों का सामना किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक संचालन किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पेपर लीक या इसी तरह के कदाचार की कोई घटना सामने नहीं आई है।

वर्ष 2004-2005 से 2013-14 की तुलना में 2014-2015 से 2024-2025 के दौरान भारतीय रेल में की गई भर्तियों का विवरण निम्नानुसार दिया गया हैः-

अवधि	भर्तियां
2004-2005 से 2013-2014	4.11 लाख
2014-2015 से 2024-2025	5.08 लाख

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए वर्ष 2024 से वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर की शुरुआत अभ्यर्थियों को निम्नानुसार लाभान्वित कर रहा है:

- अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;
- प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;
- परीक्षाओं की निश्चितता;
- भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।

काम की आवश्यकताओं में, नियमित पदाधिकारियों के पदों में शामिल होने तक अस्थायी प्रबंध के रूप में अनुबंध आधारित नियुक्ति की जाती है। ऐसी अनुबंध आधारित नियुक्ति पूरी तरह अस्थायी और समयबद्ध होती है, और इसे जब तक कि मौजूदा नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार पदों को नियमित चयन से भरा नहीं जाता तब तक केवल रेल परिचालन के सुचारु कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

अनुबंध आधार पर नियुक्ति स्वाभाविक रूप से केवल अनुबंध आधारित होती है और ऐसे कर्मचारियों को रेल सेवा में नियमित रोजगार, समावेशन या निरंतरता का कोई अधिकार नहीं देती। चूंकि अनुबंध आधारित नियुक्ति केवल तात्कालिक परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जाती है, इसलिए भारतीय रेल में ऐसे अनुबंधित कर्मचारियों को नियमित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

*****